

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020-21 हेतु

बी.ए. द्वितीय वर्ष : विषय – नृत्य (भरत नाट्यम)

सैद्धांतिक (विस्तृत पाठ्यक्रम)

प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक – नृत्य का इतिहास एवं सामान्य जानकारी

1. नृत्य का इतिहास (पाणिनी काल से गुप्त काल तक नृत्य का इतिहास) – 1. पूर्व मध्यकाल 2. गुप्तकाल
2. अभिनयभेद – आंगिक, वाचिक, आहार्य एवं सात्विक
3. विभिन्न शास्त्रीय नृत्य प्रणालियाँ (संक्षिप्त परिचय) – 1. भरत नाट्यम 2. कथक
4. संगीत की व्याख्या और नृत्य का उसमें स्थान
5. लोकधर्मी नाट्य परंपरा (संक्षिप्त जानकारी) – लोकनाट्य – तमाशा  
लोक नृत्य – गरबा

सैद्धांतिक (विस्तृत पाठ्यक्रम)

द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक – शास्त्रीय नृत्य सिद्धान्त

1. दक्षिण भारतीय ताल पद्धति
2. संक्षिप्त टिप्पणियाँ – 1. नाट्य 2. नृत्त 3. नृत्य
3. नृत्य कलाकार के आवश्यक गुण एवं दोष
4. भरतनाट्यम पद्धति के क्रमों (मार्गम का संक्षिप्त विवरण)  
1. अलारिपु 2. जतिस्वरम्
5. वरिष्ठ नृत्य कलाकार की संक्षिप्त जीवनी – श्रीमती गौरी अम्मा

प्रायोगिक

1. मौखिक मुद्रा प्रदर्शन –  
(1) असंयुक्त हस्त की प्रथम दस मुद्राओं (पताक से शिखर तक) का विनियोग (श्लोक सहित)
2. कार्यक्रम विभाग  
(1) शारीरिक अभ्यास (अलारिपु)  
(2) दस अङ्गु (अंगसंचालन चार काल में)